Production of Tele-Film Serial on Bhagat Puran Singh

998. SHRI IQBAL SINGH : Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state' :

(a) whether Government have any proposal regarding production of a tele-film/serial on Bhagat Puran Singh, a legendry figure of Punjab (Pingalwada, Amritsar) who did selfless service to the poor, neglected and the sick with strong conviction and missionary zeal and was affectionately known as Bear ded Mother Teresa of Northern India;

(b) if so, the details thereof ; and

(c) if not, the reasons therefor ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF INFORMATION AND BRADCASTING (SHRI K. P. SINGH DEO) : (a) No proposal in this regard is pending with Doordarshan.

(b) Does not arise.

(c) The proposal to this effect will be considered as and when received.

TV Serials on Great Personalities of Indian History

999. SHRI IQBAL SINGH : Will the Minisrer of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state :

(a) whether the Doordarshan have received proposals of TV Serials on the life of Gautam Budha and Mahavir, the great personalities of Indian History;

(b) if so, the details thereof ;

(c) by when Dordarshan is likely to telecast these programmes; and

(d) if the answer to part (a), (b) and (o) be in the negative, what steps are being taken by Government to expedite the matter with Doordarshan ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI K. P. SINGH DEO) : (a) and (b) Four proposals, from different sources, were received under new sponsorship scheme for serials based on the life of Gautam Budha one of them has een approved and a pilot episode of the serial is awaited from the producer. No proposal has been received for any TV serial on the life of Mahavir.

(c) sand (d) The time for telecast will be determined after the receipt of the pilot within the stipulated time, and approval thereof by the competent authority, subject to policy and programme requirement.

फिल्म सेंसर बोर्ड के सदस्य

1000. **श्री इकबाल सिंह :** क्या सूचना और प्रसारण मंत्री 3 मई, 1994 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न संख्या 5506 के दिए गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) फिल्म सेंसर बोर्ड के सभी सदस्यों का योग्यता वार और विशेषज्ञता वार ब्यौरा क्या है ;

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान बोर्ड ने कितनी फिल्मों को पास किया है और कितनी फिल्मों को सेंसर किया है तथा इस संबंध में फिल्म वार ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या यह सच है कि फिल्म सेंसर बोर्ड में सामाजिक दार्शनिकों और प्रतिष्ठित सांस्कृतिक कार्यकर्ताओं के स्थान पर सामान्य व्यक्तियों को मनोनीत किया जाता है ;

(घ) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं ; और

(ङ) सेंसर बोर्ड में सामाजिक दार्शनिकों, प्रतिष्ठित सांस्कृतिक कार्यकर्ताओं और समाज सुधारकों को मनोनीत करने के संबंध में सरकार की क्या सुस्पष्ट नीति है?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री के. पी. सिंह देव): (क) सूचना विवरण में दी गयी है **(नीचे देखिए)**।

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रमाणित फीचर फिल्मों की संख्या नीचे दी गई है:—

1991	1034
1992	0916
1993	0986

इस संबंध में फिल्म वार विवरण एकत्रित किया जा रहा है तथा उसे सभा पटल पर रख दिया जाएगा।

(ग) से (ङ) फिल्म प्रमाणीकरण का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना होगा कि:

(क) फिल्म का माध्यम समाज के मूल्यों और मानकों के प्रति उत्तरदायी और संवेदनशील बना रहे।

(ख) कलात्मक अभिव्यक्ति तथा सर्जनात्मक स्वतंत्रता असम्यक रूप से दबाया नहीं जाता है।

(ग) प्रमाणन व्यवस्था सामाजिक परिवर्तन के प्रति उत्तरदायी हों।

(घ) फिल्म का माध्यम स्वच्छ और स्वस्थ मनोरंजन प्रदान करें।

(ङ) यथासंभव फिल्म सौंदर्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण और चलचित्र की दृष्टि से अच्छे स्तर की हो।

विभिन्न क्षेत्रों के व्यक्ति जैसे कि सामाजिक कार्यकर्ता, अध्यापक, लेखक, गृहिणी, व्यापारी आदि जो केन्द्र सरकार की राय में आम दर्शकों पर फिल्मों के प्रभाव का निर्धारण करने के लिए योग्य होते हैं, को बोर्ड के सदस्यों के रूप में नियुक्त किया जाता है।

विवरण

केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के मौजूदा सदस्यों का विवरण (योग्यतावार तथा विशेषज्ञतावार)

क्र.सं.	नाम	योग्यता	विशेषज्ञता
1	श्री एन. डी. कोठारी	—	फिल्म निर्देशन
2	श्रीमती प्रणायिनी मुन्शी	स्नातक: भारतीय शास्त्रीय संगीत एवं चित्रकला	सामाजिक कार्य
3	श्रीमती के. एच. भंसाली	स्नातक बी.टी. सेवानिवृत्त उप कुलपति एस.एन.डी.टी. विश्वविद्यालय, बम्बई	शिक्षा
4	श्रीमती देवकी मुथिह	स्नातकोत्तर एम. फिल.	सामाजिक कार्य
5	श्री एम. बालासुब्रमणियन	वाणिज्य स्नातक	फिल्म निर्माण
6	श्री वी. आर. वेंकटाचलम	—	व्यापार/सामाजिक कार्य

क्र.सं.	नाम	योग्यता	विशेषज्ञता
7	श्री सविताब्राता दत्ता	—	थियेटर
8	श्री सेबाबराटा गुप्ता	—	फिल्म पत्रकारिता
9	श्री हर्ष कुमार निओटिया	—	व्यापार
10	सुश्री हेमा चौधरी	व्यवसायिक कलाकार/कुचीपुडी नृत्यांगना	फिल्म अभिनय/कुचीपुडी नृत्य
11	श्रीमती पाली एयिप्पा	—	सामाजिक कार्य
12	श्री सी.वी.एल. शास्त्री	इण्टरमीडिएट	फिल्म निर्माण
13	श्री बशीर एम. पिचा	विज्ञान स्नातक	व्यापार/सामाजिक कार्य
14	श्री सुब्राम्मी रेड्डी	स्नातक	व्यापार/फिल्म वितरक
15	श्री जे. भास्कर राव	—	होटल प्रबंधक
16	श्री के. डी. जैन	अध्यक्ष, जयपुर स्टाक एक्सचेंज	सामाजिक कार्य
17	श्री लक्ष्मण सिंह	—	सामाजिक कार्य
18	श्री जुबेर खान	—	समाजिक कार्य
19	श्रीमती सारा मुहम्मद	विज्ञान स्नातक बी.टी. सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य पब्लिक स्कूल	सामाजिक कार्य
20	श्रीमती उर्वसी तलवार	स्नातक	गृहिणी एवं संग्रहालय क्रियाकलाप
21	श्री अमर सिंह	—	व्यापार
22	श्री नवाज जफर जंग	—	सामाजिक कार्य/वक्फ बोर्ड
23	श्रीमती कमला मानकेकर	स्नातक (उपाधि) पत्रकारिता में डिप्लोमा	पत्रकारिता
24	प्रो. बी. दास	पूर्व उप कुलपति, उत्कल विश्व-विद्यालय	शिक्षा/सामाजिक कार्य
25	श्री सत्य प्रसाद वरूआ	—	शिक्षा/सामाजिक कार्य

Censoring Indian Films

1001. DR. NAUNIHAL SINGH : Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state :

(a) Whether it is a faci that there are some 80 odd Indian films that were seized in small town theatres in the last 3 or 4 years as they were showing all the salacious portions that the censors bad scrutinised and scissored ;

(b) if so, what steps Government have taken to punish the producers and exhibitors; please give details;

(c) whether it is a fact that the Central Board of Film Certification has failed to check this; if so, the reasons therefor;

(d) whether it is a fact that, despite heated deb ates in Parliament as well as from public platform, the slazy, soft pern movies being churned out by little known producers in Malayalam, Hindi, Telugu, Tamil and even English have done roaring business; and no one is questioning them ; and